सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-2: धर्मनिरपेक्षता की समझ

SHIVOM CLASSES 8696608541

धर्मनिरपेक्षता

सभी को अपने धार्मिक विश्वासों एवं मान्यताओं को पूरी आज़ादी से मानने की छूट देता है। धर्म को राज्य से अलग रखने की इसी अवधारणा को धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है

मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, जैन तथा अन्य धर्मों के लोग भी थे।

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों की व्यवस्था की गई है। ये अधिकार न केवल राज्य की सत्ता से हमें बचाते हैं बल्कि बहुमत की निरंकुशता से भी हमारी रक्षा करते हैं।

भारतीय संविधान सभी को धर्मिक विश्वासों और तौर-तरीकों को अपनाने की पूरी छूट देता है। भारतीय राज्य ने धर्म और राज्य की शक्ति को एक-दूसरे से अलग रखने की रणनीति अपनाई है।

धर्म को राज्य से अलग रखना महत्वपूर्ण क्यों है?

धर्मनिरपेक्षता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है धर्म को राज्यसत्ता से अलग करना। एक लोकतांत्रिक देश में यह बहुत जरूरी है।

दुनिया के तकरीबन सारे देशों में एक से ज़्यादा होगी जाहिर है हर देश में किसी एक धर्म के लोगों की संख्या ज्यादा होगी।

अब अगर बहुमत वाले वाले धर्म के लोग सत्ता में पहुँच जाते हैतो उनका समूह दूसरे धर्मो के खिलाफ भेदभाव करते है।

अल्पसंख्यों के साथ भेदभाव होता है। देश के किसी भी व्यक्ति को एक धर्म से निकलने और दूसरे धर्म को अपनाने या धर्मिक उपदेशों को अलग ढंग से व्याख्या करने की स्वतंत्रता होती है।

भारतीय धर्मनिरपेक्षता क्या है ?

1. कोई भी धर्मिक समुदाय किसी दूसरे धार्मिक समुदाय को न दबाए ;
2. कुछ लोग अपने ही धर्म के अन्य सदस्यों को न दबाएँ ; और
3. राज्य न तो किसी खास धर्म को थोपेगा और न ही लोगों की धर्मिक स्वतंत्रता छिनेगा।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पहला :- भारतीय राज्य की बागडोर न तो किसी एक धार्मिक समूह के हाथों में है और न ही राज्य किसी एक धर्म को समर्थन देता हैं।

दूसरा :- भारत में कचहरी, थाने, सरकारी विद्यालय, और दफ्तर जैसी सरकारी संस्थानों में किसी खास धर्म को प्रोत्साहन देने या उसका प्रदर्शन करने की अपेक्षा नही की जाती है।

तीसरा :- भारतीय राज्य इस बात को मान्यता देता है कि पगड़ी पहनना सिख धर्म की प्रथाओं के मुताबिक महत्वपूर्ण है। धार्मिक आस्थाओं में दखलंदाजी से बचने के लिए राज्य ने कानून में रियायत दे दी है।

चौथा :- भारतीय संविधान धार्मिक समुदायों को अपने स्कूल और कॉलेज खोलने का अधिकार देता है। गैर-प्राथमिकता के आधार पर राज्य से उन्हें सीमित आर्थिक सहायता भी मिलती है।

भारतीय धर्मनिरपेक्षता दूसरे लोकतांत्रिक देशों की धर्मनिरपेक्षता से किस तरह अलग है१

1) राज्य और धर्म, दोनों ही एक दूसरे के मामलों में किसी तरह का दखल नही दे सकते।
2) भारतीय राज्य धर्मनिरपेक्ष है और धार्मिक वर्चस्व को रोकने के लिए लिए कई तरह से काम करता है।
3) भारतीय मूलभूत अधिकार धर्मनिरपेक्ष सिद्धान्तों पर आधरित हैं।
4) संविधान में दिए गए आदर्शों के आधार पर राज्य किसी भी भी धर्म के मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 26)

प्रश्न 1 अपने आस पड़ोस में प्रचलित धार्मिक क्रियाकलापों की सूची बनाइए। आप विभिन्न प्रकार की प्रार्थनाओं विभिन्न देवताओं की पूजा विभिन्न पवित्र स्थानों, विभिन्न प्रकार के धार्मिक संगीत और गायन आदि को देख सकते है। क्या इससे धार्मिक क्रियाकलापों की स्वतंत्रता का पता चलता है ?

उत्तर – हमारे आस पास के पड़ोस में विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग रहते है जो अपने धर्म से अलग अलग पवित्र स्थानों को पूजते है, विभिन्न देवी – देवताओं की पूजा करते है। जैसे कि:- हिंदू धर्म से जुड़े लोग मंदिर में पूजा और प्रार्थना करते है। मुस्लिम लोग मस्जिद में नमाज़ और इबादत करते है। क्रिश्चयन धर्म से जुड़े चर्च में प्रार्थना करते है। सिक्ख धर्म से जुड़े गुरुद्वारे में अरदास व कीर्तन करते है। अलग – अलग धर्म से जुड़ी यह गतिविधियां दर्शाती है कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को धर्म अपनाने और उनको पुरी तरह से निभाने की स्वतंत्रता प्राप्त है।

प्रश्न 2 अगर किसी धर्म के लोग यह कहते हैं कि उनका धर्म नवजात शिशुओं को मारने की छूट देता है तो क्या सरकार किसी तरह का दखल देगी या नहीं ? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

उत्तर – हर व्यक्ति को भारत में अपने हिसाब से फैसले लेने की स्वतंत्रता दी गई है। चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार किसी को भी किसी के बीच में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। लेकिन अगर यह बात किसी भी धर्म के नवजात शिशु की है, तो हमारे किसी भी संविधान या धर्म में कहीं भी यह नहीं लिखा कि हमें नवजात शिशु को मारने का अधिकार दिया हुआ है। अगर सरकार को कहीं से भी यह बात ज़ात होती है तो सरकार इसके विरुद्ध कड़े कदम उठाएगी और वह व्यक्ति सजा का हकदार कम रहेगा। सरकार उस नवजात शिशु को बचाने में पूरा हस्तक्षेप करेगी।

प्रश्न 3 इस तालिका को पूरा कीजिए:-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उद्देश्य	यह महत्वपूर्ण क्यों है ?	इस उद्देश्य के उल्लंघन का उदाहरण
एक धार्मिक समुदाय दूसरे समुदाय पर वर्चस्व नहीं रखता		
राज्य न तो किसी धर्म को थोपता है और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनता है		
एक ही धर्म के कुछ लोग अपने ही धर्म के दूसरे लोगों को न दबाएं		

उत्तर –

उद्देश्य	यह महत्वपूर्ण क्यों है ?	इस उद्देश्य के उल्लंघन का उदाहरण
एक धार्मिक समुदाय दूसरे समुदाय पर वर्चस्व नहीं रखता	यह धर्म की स्वतंत्रता है। धर्म की स्वतंत्रता धर्म – निरपेक्षता का सार है।	इजरायल के यहूदी मुसलमानों और क्रिश्चयन के साथ बुरा व्यवहार करते है।
राज्य न तो किसी धर्म को थोपता है और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनता है।	धर्म – निरपेक्ष राज्य को धर्म से अलग रखते है।	राज्य छुआछूत जैसी सामाजिक समस्या को दूर करने के लिए धर्म में हस्तक्षेप करता है।
एक ही धर्म के कुछ लोग अपने ही धर्म के दूसरे लोगों को न दबाएं	धर्म की स्वतंत्रता समानता के सिद्धांत पर आधारित है।	हर धर्म में कहीं ना कहीं छुआछूत की समस्या पाई जाती है।

प्रश्न 4 अपने स्कूल की छुट्टियों के वार्षिक कैलेंडर को देखिए। उनमें से कितनी छुट्टियाँ विभिन्न धर्मों से संबंधित क्या संकेत मिलता है ?

उत्तर –

छुट्टियों के नाम **तारीख**

लोहडी 13 जनवरी

मकर संक्रांति 14 जनवरी

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रविदास जयंती	31 जनवरी
बसंत पंचमी	16 फरवरी
महा शिवरात्रि	21 फ़रवरी
होली	29 मार्च
गुड़ी पाड़वा	13 अप्रैल
अम्बेडकर जयंती	14 अप्रैल
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
गणेश चतुर्थी	10 सितम्बर
गांधी जयंती	2 अक्टूबर
दशहरा	15 अक्टूबर
दीवाली	4 नवंबर
भैया दूज	6 नवंबर
छट पूजा	10 नवंबर
गुरु नानक देव जयंती	19 नवंबर
क्रिसमस दिवस	25 दिसंबर

हिंदू धर्म :- लोहडी, होली, रक्षाबंधन, दीवाली, दशहरा, भैया दूज, बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि

मुस्लिम धर्म :- मोहर्रम, ईद – ए – मिलाद, ईद – उल – फितर

सिक्ख धर्म :- लोहडी, होली, गुरुनानक जयंती

जैन धर्म :- महावीर जयंती

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य है और हर व्यक्ति सभी धर्मों का सामान आदर और सम्मान करता है।

प्रश्न 5 एक ही धर्म के भीतर अलग – अलग दृष्टिकोणों के कुछ उदाहरण दें।

उत्तर – भारत अनेक विभिन्नताओं वाला देश है। भारत में अलग-अलग धर्मों के लोग रहते है। भारतीय संविधान में भारत में रहने वाले हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता दी गई है। सभी व्यक्तियों का धर्म को मानने, पूजा करने का अलग – अलग तरीका होता है। यहां तक कि किसी मंदिर में अगर एक ही त्योहार मनाने के लिए कोई हिंदू परिवार जाता है तो उसे मनाने के लिए भी वे अलग तरीके अपनाते है। इस प्रकार एक ही धर्म के भीतर सबके अलग – अलग दृष्टिकोण है।

प्रश्न 6 भारतीय राज्य धर्म से फ़ासला भी रखता है और उसमें हस्तक्षेप भी करता है। यह उलझाने वाला विचार लग सकता है। इस पर कक्षा में एक बार फिर चर्चा कीजिए। चर्चा के लिए इस अध्याय में दिए गए उदाहरणों के अलावा आप जानकारी के अन्य उदाहरणों का भी सहारा ले सकते हैं।

उत्तर – भारतीय संविधान ने धर्म निरपेक्ष की धारणा को ग्रहण किया है। प्रस्तावना में भारत को एक धर्म-निरपेक्ष राज्य घोषित किया गया है। भारत राज्य धर्म से आपको दूर भी रखता है, तथा आवश्यकता पड़ने पर उसमें हस्तक्षेप भी करता है। भारत का कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है। राज्य धर्म से दूर रहता है। भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। परंतु अनुच्छेद 25 राज्य को यह अनुमति देता है कि वह एक धर्म की राजनीतिक गतिविधियों को नियंत्रित करें। राज्य सभी हिंदू संस्थाओं द्वारा चलाई जाने वाली कल्याणकारी गतिविधियों एवं सुधारों को अनुमति प्रदान कर सकता है। सिक्खों को अपने साथ 'किरपान' लेकर चलने की अनुमति है। हालांकि धार्मिक स्वतंत्रता जनकल्याण, नैतिकता तथा स्वास्थ्य के आधार पर प्रयोग की जा सकती है।

प्रश्न 7 साथ में दिया गया यह पोस्टर ' शांति ' के महत्व को रेखांकित करता है। इस पोस्टर में कहा गया है कि " शांति कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है ... यह हमारी आपसी भिन्नताओं और साझा हितों को नजरअंदाज करके नहीं चल सकती। " ये वाक्य क्या बताते हैं ? अपने शब्दों में लिखिए। धार्मिक सहिष्णुता से इसका क्या संबंध है ?

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस अध्याय में आप ही की उम्र के विद्यार्थियों ने भी धार्मिक सहिष्णुता पर तीन तस्वीर बनाई है। धार्मिक सहिष्णुता को ध्यान में रखते हुए अपने साथियों को दिखाने के लिए खुद एक पोस्टर बनाइए।

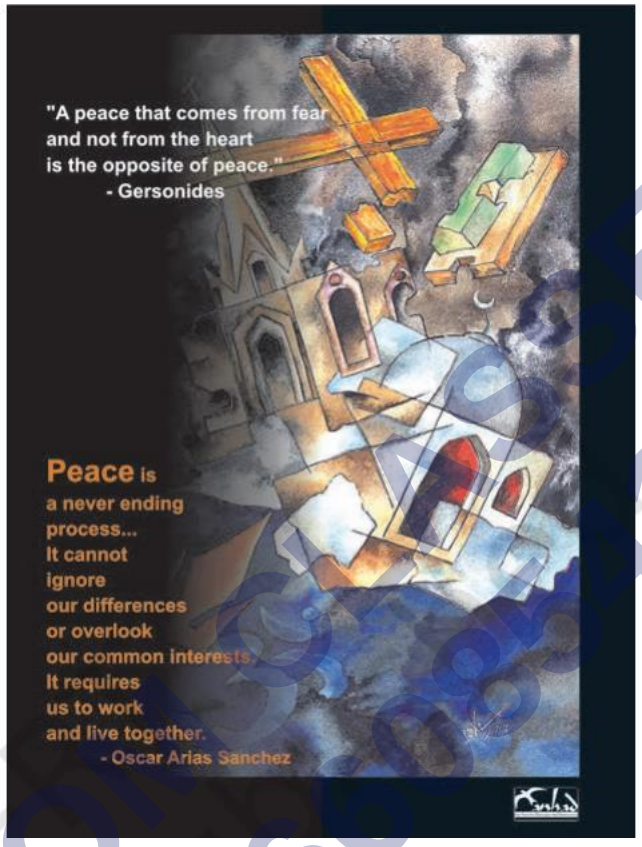

उत्तर –

उपरोक्त वाक्यों से हमें पता चलता है कि शांति हम सभी को अच्छी लगती है। क्योंकि शांति होने पर ही राज्य में विकास के कार्य हो सकते हैं। इसीलिए प्रायः सभी धर्मों द्वारा शांति का प्रचार – प्रसार किया जाता है। क्योंकि शांति के बिना विकास संभव है। अतः विश्व के सभी धर्मों में शांति स्थापना के लिए आपसी सहयोग एवं सहिष्णुता होना आवश्यक है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)